सत्र- 2019-20
बी. ए. तृतीय वर्ष

संस्कृत साहित्य

प्रथम प्रश्न पत्र

नाटक, छन्द तथा व्याकरण

पूर्णांक - 75

(पेपर कोड-0257)

इकाई-1 अभिज्ञान शाकुन्तलम् (कालिदास)

1. दो श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या — 20
2. एक श्लोक का अनुवाद — 10

(प्रथम, चतुर्थ, पंचम और सप्तम अंक, व्याख्या हेतु, द्रुतपाठ – शेष अंक)

इकाई-2 अभिज्ञान शाकुन्तलम् – समीक्षात्मक प्रश्न — 10

इकाई-3 निर्धारित छन्दों के लक्षण तथा उदाहरण — 15

अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, आर्या, मालिनी, शिखरिणी, वसन्ततिलका, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा, मन्दाक्रान्ता ।

इकाई-4 व्याकरण – लघुसिद्धान्त कौमुदी — 10

कृदन्त प्रकरण

तव्यत्, अनीयर्, यत्, क्यप्, क्यच्, शतृ, शानच्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, क्त, क्तवतु, ण्वुल, तृच्, ल्युट, अण्

इकाई-5 व्याकरण – लघुसिद्धान्त कौमुदी

1. तद्धित प्रत्यय

   अण्, ढक्, ष्यञ्, त्व, तढक्, इमनिच्, तठक्, अञ्, मतुप्, इनि, इतच्, ईयसुन्, इष्ठन्, तरप्, तमप्, ण्य, यञ्
2. स्त्री प्रत्यय

   टाप्, ङीष्, ङीप्, ङीन् ।

अनुमोदित
5.9.19
5/9/19
05-9-19

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. शीघ्रबोध व्याकरणम – डॉ. पुष्पा दीक्षित, पाणिनीय शोध संस्थान, तेलीपारा, बिलासपुर
2. लघुसिद्धान्त कौमुदी – श्रीधरानंद शास्त्री
3. संस्कृत हिन्दी कोश – वामन शिवराम आपटे
4. छन्दोमंजरी – चौखंबा प्रकाशन

बी. ए. तृतीय वर्ष

प्रश्न पत्र द्वितीय

सत्र- 2019-20

काव्य, अलंकार तथा निबन्ध

पूर्णांक - 75

(पेपर कोड-0258)

इकाई-1 किरातार्जुनीय (भारवि) प्रथम सर्ग

दो श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या — 20

इकाई-2 किरातार्जुनीयम् - आलोचनात्मक प्रश्न 10

इकाई-3 मूलरामायणम - वाल्मीकि

व्याख्या अथवा आलोचनात्मक प्रश्न 15

इकाई-4 अलंकार -

उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यास, स्वाभावोक्ति, काव्यालिङ्ग, अतिशयोक्ति, दीपक, विभावना, विशेषोक्ति, अपह्नुति, दृष्टांत, प्रतिवस्तूपमा, निदर्शना, यमक, शब्दश्लेष, अनुप्रास, अनन्वय, ससन्देह, भ्रान्तिमान् ।

टिप्पणी : अलंकारों के लक्षण चन्द्रालोक, साहित्य दर्पण, अथवा काव्य प्रकाश से अध्येतव्य हैं, उदाहरण पाठ्यक्रमों से भी दिये जा सकते हैं ।

इकाई-5 निबन्ध (संस्कृत भाषा में) 15 वाक्यों में 15

टिप्पणी : निबन्ध समीक्षात्मक अथवा विश्लेषणात्मक न होकर वर्णनात्मक पूछे जायेंगे ।

अनुशंसित ग्रन्थ -

1. संस्कृत निबन्ध शतकम् - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
2. निबन्ध पारिजात - डॉ. रजनीकान्त लहरी, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
3. रचनानुवाद कौमुदी - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
4. प्रबन्ध रत्नाकर - डॉ. रमेशचन्द्र शुक्ल, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी

5.9.19

5/9/19

05-09-19

- - - - - - - -